अखंड भारत समाचार

विज्ञापन दें

विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें
8708565733

ड्रोन-मिसाइलें और धुआं-धुआं आसमान...देखिए अंतरिक्ष से कैसी दिख रही ईरान की जंग

रविवार सुबह तेहरान के आसमान में ऊंची-ऊंची आग की लपटें दिख रही थीं. विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार ऐसी आग से जहरीले रसायन और प्रदूषक निकलते हैं. इनका असर कितना खतरनाक होगा. यह आग कितने समय तक जलती रहे. 9 मार्च को नासा के मॉडिस उपग्रह ने तेहरान के ऊपर लंबा और घना काला धुआं का सिलसिला कैद किया. यह धुआं हमलों के एक दिन बाद दिखा. चित्र में यह धुआं शहर के आसमान में 67 किलोमीटर तक फैला हुआ दिख रहा है. शनिवार देर रात इजरायल की सेना ने ईरान के कई ऑयल डिपो पर हमला किया. इनमें तेहरान के शाहरण ईंधन डिपो, अल्बोर्ज प्रांत के तेल भंडारण स्थल, शहररे रिफाइनरी और कराज के फरदिस डिपो शामिल हैं. वीडियो फुटेज में मशरूम जैसा गैसीय धुआं उठता दिखा जिसे इंडिया टुडे की टीम ने जियो लोकेट करके शाहरण तेल डिपो के रूप में पहचाना. सेंटिनल-5पी सैटेलाइट के वायुमंडलीय डेटा में युद्ध से पहले और बाद की तुलना में ट्रोपोस्फेरिक नाइट्रोजन डाइऑक्साइड और सल्फर डाइऑक्साइड की मात्रा बहुत बढ़ी हुई दिखी. सबसे ज्यादा असर तीन जगहों पर पड़ा – तेहरान जिस पर सबसे ज्यादा हमले हुए, इस्फहान जो ईरान के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम का महत्वपूर्ण केंद्र है और बंदर अब्बास जो देश का मुख्य नौसेना केंद्र है.

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026: JNV चतरा में महिला कर्मचारियों का सम्मान, विशेष कार्यक्रम आयोजित

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के अवसर पर पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय (JNV) चतरा, झारखंड में 8 मार्च को विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण, समानता और समाज में महिलाओं के योगदान को सम्मानित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार ने उत्साह और गरिमा के साथ भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस. डी. लोखंडे ने की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि शिक्षा संस्थानों में महिलाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यालय की महिला कर्मचारियों के समर्पण, अनुशासन और मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि उनके योगदान से ही संस्थान निरंतर प्रगति और उत्कृष्टता की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की टीजीटी हिंदी शिक्षिका श्रीमती कुमारी पद्मिनी को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उन्हें शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका, विद्यार्थियों के मार्गदर्शन और संस्थान में उत्कृष्ट योगदान के लिए गुलदस्ता, प्रशंसा पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। उपस्थित शिक्षकों और कर्मचारियों ने उनके कार्यों की सराहना की कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं और कर्मचारियों ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया। सभी ने महिला दिवस के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए और समाज में महिलाओं के सम्मान, समान अवसर और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के उप-प्राचार्य शशि भूषण मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी शिक्षकों, कर्मचारियों और सहयोगी स्टाफ का आभार व्यक्त किया

स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ संसद में चर्चा, रविशंकर प्रसाद बोले- 'अध्यक्ष की कुर्सी पर...'

लोकसभा में मंगलवार को कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस समेत विपक्ष के सदस्यों ने निर्वाचन आयोग और मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ नारेबाजी की. कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि ये अपेक्षा थी कि उस दिन चेयर न्यूट्रल रहेगी. LOP को कई बार टोका गया. स्पीकर LOP से बार-बार वेरिफाई करने को कहते रहे. LOP ने कहा था कि दुनिया की दूसरी जगहों में जहां जहां किसी का नाम आया, वहां इस्तीफे हुए. भारत में भी मंत्री का नाम आया था. ये वेरिफाई करना आसान नहीं है. एक मंत्री का नाम है, अंतरराष्ट्रीय मामला है. राहुल कहते रहे कि मुझे बोलने दिया जाए. स्पीकर ने LOP के खड़े रहते हुए दूसरे स्पीकर को बोलने को कहा. ये परंपराओं के खिलाफ है. गौरव गोगोई ने कहा उस दिन सदन में बार-बार नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को रोका टोका गया. उस दिन बस राहुल ये कहना चाहते थे कि सेना प्रमुख को पीएम ने कहा कि जो उचित लगता है कर लो. जो तत्परता रक्षा मंत्री को दिखाना चाहिए थी, उन्होंने नहीं दिखाई. घंटों तक उनको रुकना पड़ा. पाकिस्तान की तरह यहां पर मिलिट्री लीडरशिप नहीं है. हमारी सेना पॉलिटिकल लीडरशिप की ओर देखती है. जब सीमा के पार से पड़ोसी देश के टैंक आ रहे हैं. सेना गुहार लगा रही है, देश का मुखिया कहता है कि जो उचित लगता है कर लो. मतलब बातचीत करनी है तो कर लो, आत्मसमर्पण करना है तो कर लो, युद्ध करना है तो कर लो....ऐसा है नेतृत्व. आज देश का नेतृत्व कमजोर और बुजदिल है.

दावा- ट्रम्प ईरान के खार्ग आइलैंड पर कब्जा चाहते हैं:90% ईरानी तेल का एक्सपोर्ट यहां से, एक्सपर्ट बोले- इस पर हमले से विश्वयुद्ध का खतरा

अमेरिका, इजराइल और ईरान में जारी जंग के बीच होर्मुज स्ट्रेट के पास मौजूद खार्ग आइलैंड की अहमियत अचानक बढ़ गई है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि ट्रम्प सरकार इस आइलैंड पर कब्जे को लेकर सैन्य विकल्पों पर विचार कर रही है, क्योंकि यह ईरान की तेल कमाई का सबसे बड़ा सेंटर माना जाता है। दरअसल ईरान के करीब 80 से 90% कच्चे तेल का निर्यात इसी आइलैंड से होता है। यहां बड़े तेल टर्मिनल, पाइपलाइन, स्टोरेज टैंक और जहाजों में तेल भरने की फैसिलिटी मौजूद हैं। इसे हर दिन करीब 70 लाख बैरल तक तेल जहाजों में भरा जा सकता है।

1960 के दशक में विदेशी निवेश के बाद इस जगह को बड़े ऑयल एक्सपोर्ट सेंटर के तौर पर डेवलप किया गया था और तब से यह ईरान की ऑयल सप्लाई की रीढ़ बन गया। हडसन इंस्टीट्यूट के सीनियर फेलो माइकल डोरान ने कहा ट्रम्प सरकार युद्ध के बाद भी ईरान की पूरी अर्थव्यवस्था को तबाह नहीं करना चाहती है। अमेरिका की पुरानी 'रेड लाइन' यानी तय सीमा यह रही है कि कुछ खास और अहम ठिकानों पर हमला नहीं किया जाए।,

Israel-Iran War: 'अमेरिका नहीं हम तय करेंगे कब खत्म होगी जंग', ट्रंप के दावे पर फायर ईरान, दे दिया जवाब

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ चल रहा युद्ध जल्द ही खत्म हो सकता है, लेकिन ईरान ने इस पर सख्त जवाब दिया है. ईरानी रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स (IRGC) ने कहा कि युद्ध कब खत्म होगा, ये हम तय करेंगे, अमेरिका नहीं. ट्रंप ने सोमवार को फ्लोरिडा में अपने डोरल नेशनल गोल्फ क्लब में रात 3 बजे (भारतीय समयानुसार) प्रेस कॉन्फ्रेंस की. उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'मुझे लगता है जल्दी. बहुत जल्दी.' उन्होंने ये भी कहा कि अगर युद्ध फिर से शुरू हुआ तो ईरान पर और ज्यादा जोरदार हमले होंगे. ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका और इजरायल के हमलों से उनके लक्ष्य हासिल हो चुके हैं. लेकिन उन्होंने साफ टाइमलाइन नहीं बताई कि युद्ध कब तक खत्म होगा. ट्रंप ने दावा किया था कि अगर अमेरिका पहले हमला नहीं करता, तो ईरान एक हफ्ते के भीतर अमेरिका पर हमला कर सकता था. उनके मुताबिक ईरान के पास बड़ी संख्या में मिसाइलें थीं और वह अमेरिका, इजरायल और पूरे मध्य-पूर्व पर बड़ा हमला करने की तैयारी में था.

T20 world cup में अमिताभ का टोटका, टीम इंडिया के लिए दी कुर्बानी, यूजर्स बोले- शुक्रिया

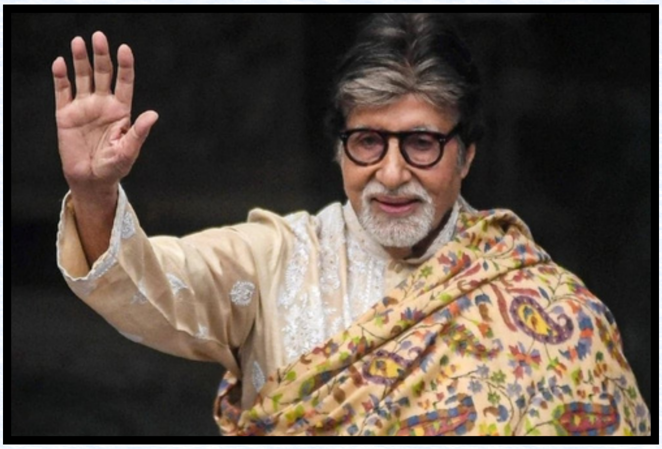

T20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर तीसरी बार ट्रॉफी जीती. इस जीत के पीछे अमिताभ बच्चन का टोटका चर्चा में है, जिसमें उन्होंने कहा कि उन्होंने मैच नहीं देखा इसलिए टीम इंडिया ने जीत हासिल की. रविवार का दिन क्रिकेट प्रेमियों के लिए जश्न लेकर आया. आधी रात को जब इंडिया ने न्यूजीलैंड को हराकर टी20 वर्ल्ड कप जीता, तो लोग पटाखे फोड़ने लगे. हर हिंदुस्तानी जीत का जश्न मनाते हुए दिखा. सेलेब्स के बीच भी इंडिया के तीसरी बार टी20 वर्ल्ड कप जीतने की खुशी थी. लेकिन क्या आप जानते हैं सदी के महानायक का टोटका काम आया. क्योंकि उन्होंने ये ऐतिहासिक मैच नहीं देखा, इसलिए इंडिया जीत गई. अमिताभ ने भारत को जीत की बधाई देते हुए लिखा- T 5679 - कहा था नहीं देखूंगा तो जीत जाएंगे. हो गया. इस पोस्ट के साथ बिग बी ने टीम इंडिया के जश्न की फोटोज शेयर की हैं. वैसे ये पहली बार नहीं है जब अमिताभ ने अपने इस टोटके के बारे में दुनिया को बताया हो. इससे पहले भी टीम इंडिया के हारने पर बिग बी बता चुके हैं कि उनके मैच देखने की वजह से इंडिया हारी है. फैंस को हैरानी है कि बिग बी सच में खुद को टीम इंडिया के लिए लकी नहीं मानते. उनकी पोस्ट देखने के बाद कुछ लोगों ने बिग बी का मैच ना देखने के लिए आभार जताया. मगर कईयों ने अमिताभ से कहा कि वो खुलकर मैच देखा करें. खुद को ऐसे रोकना सही नहीं.

ICC ने घोषित की टी20 वर्ल्ड कप 2026 की बेस्ट XI, 4 भारतीय खिलाड़ियों की एंट्री, जानिए कप्तान किसे चुना गया

ICC ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के खत्म होने के बाद टूर्नामेंट की 'टीम ऑफ द टूर्नामेंट' का ऐलान कर दिया है. इस खास टीम में विश्व चैंपियन बनी भारतीय टीम के चार खिलाड़ियों को जगह मिली है. इन भारतीय खिलाड़ियों में संजू सैमसन, ईशान किशन, हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह शामिल हैं. टीम ऑफ द टूर्नामेंट में भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को शामिल किया गया है. सैमसन ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया और 5 पारियों में 321 रन बनाए. इसी दमदार प्रदर्शन के लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का खिताब भी मिला. दिलचस्प बात यह रही कि सैमसन को टूर्नामेंट की शुरुआत में टीम में जगह नहीं मिली थी, लेकिन बाद में मिले मौके को उन्होंने पूरी तरह भुनाया. वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के खिलाफ अहम मुकाबलों में उन्होंने मैच जिताने वाली पारियां खेलीं.

जंग के बीच कुवैत से भागीं उर्वशी रौतेला, डर से हालत हुई खराब- निकले आंसू, बोलीं- दिल जोर-जोर से धड़क रहा था

'मिडिल ईस्ट में इस समय हालात नाजुक बने हुए हैं. कई जगहों पर मिसाइलों से हमला हो रहा है. इसी बीच बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला भी कुवैत में फंस गई थीं. हालांकि, वो अब अपने देश लौट चुकी हैं. उन्होंने आपबीती सुनाई है. जंग के हालातों के बीच कुवैत से निकलने के बाद उर्वशी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट शेयर करके फैंस को अपने बारे में अपडेट दिया. एक्ट्रेस ने बताया कि भारत वापस आने वाली अपनी फ्लाइट में चढ़ते समय उन्हें काफी डर लग रहा था. वो रोने लगी थीं. वो अपने आंसू भी पोछती दिखी थीं. अपनी फीलिंग्स को बयां करते हुए उर्वशी ने पोस्ट में लिखा- प्लेन में बैठने तक तो मैं बिल्कुल ठीक थी, लेकिन जैसे ही मैं सेटल हुई, अचानक मुझे डर लगने लगा, घबराहट होने लगी और मेरा दिल जोर से धड़कने लगा. पता नहीं क्यों, लेकिन अचानक से मुझे बहुत डर लगने लगा था.

Reg.by Govt. Of India
OASIS WORLD RECORDS
EST.SINCE 2022
BHARAT BHUSHAN SAMMAN
BHARAT DHARMA RATNA AWARD
AKHAND BHARAT SAMMAN
DR. A.P.J. ABDUL KALAM AWARD
BHARAT LEADERSHIP SAMMAN
LIFETIME NATION SERVICE AWARD
BHARAT SHAURYA SAMMAN
UNIVERSAL PEACE AND SEVA AWARD
NOMINATE NOW
www.oasisworldrecords.com
NEW DELHI
26TH JULY 2026
8708565733

OASIS WORLD RECORDS AWARDS
NOMINATE NOW
BHARAT GLORY RATNA AWARD
NATIONAL GLORY AWARD
BHARTIYA RATNA AWARD
LOK SEVA RATNA AWARD
LIFETIME NATION SERVICE AWARD
NATIONAL EXCELLENCE AWARD
DR. A.P.J. ABDUL KALAM AWARD
UNIVERSAL PEACE & SEVA AWARD
BHARAT BHUSHAN SAMMAN
RASHTRA GAURAV SAMMAN
PARAM VIBHUSHAN SAMMAN
PARAM SEVA RATNA SAMMAN
BHARAT SEVA RATNA SAMMAN
LOK KALYAN RATNA SAMMAN
BHARAT SHAURYA SAMMAN
AKHAND BHARAT SAMMAN
www.oasisworldrecords.com
www.oasisnews.in
8708565733

ELEVATE YOUR BRAND
with the Best PR Agency in India.
360 DEGREE STRATEGIC MEDIA SOLUTIONS
PRESS RELEASES
PERSONAL INTERVIEWS
INTERNATIONAL MEDIA
PRESS CONFERENCES
PRINT MAGAZINES
TV PANELISTS
AWARD NOMINATIONS
GLOBAL SPEAKING
Visit Our Website
www.oasisnews.in
8708565733

उत्तम नगर हत्याकांड: होली विवाद में मर्डर के मुख्य आरोपी के घर चला बुलडोजर, 7 गिरफ्तार

दिल्ली के पश्चिमी इलाके उत्तम नगर में होली के दिन हुए विवाद के बाद हुई हत्या के मामले में प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है. नगर निगम और दिल्ली पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में मुख्य आरोपी के घर के अवैध हिस्से को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया. इस कार्रवाई का दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने स्वागत करते हुए इसे कानून व्यवस्था और न्याय के लिए जरूरी कदम बताया है. दिल्ली बीजेपी के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने होली के दिन उत्तम नगर में हुई हिंसा की घटना की कड़ी निंदा की है. उन्होंने कहा कि इस तरह की निर्मम घटनाएं समाज को झकझोर देती हैं और दिल्ली की माताओं को गहरा दर्द देती हैं. सचदेवा ने कहा कि दिल्ली पुलिस और प्रशासन द्वारा मुख्य आरोपी के परिवार के अवैध रूप से बने मकान को गिराने की कार्रवाई सही दिशा में उठाया गया सख्त कदम है. उनके मुताबिक इस तरह की कार्रवाई भविष्य में हिंसा और अतिवाद को बढ़ावा देने वालों के लिए एक कड़ा संदेश साबित होगी

नई शिक्षा दृष्टि और प्रेरणादायक नेतृत्व: जेएनवी चतरा के प्राचार्य डॉ. एस. डी. लोखंडे की सोच

Dr. S. D. Lokhande

चतरा, झारखंड | विशेष विचार

पीएम श्री स्कूल Jawahar Navodaya Vidyalaya के प्राचार्य Dr. S. D. Lokhande अपने दूरदर्शी नेतृत्व और शिक्षा के प्रति समर्पण के लिए जाने जाते हैं। उनके मार्गदर्शन में विद्यालय न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता की दिशा में आगे बढ़ रहा है, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए भी कई सकारात्मक पहल की जा रही हैं।

शिक्षा के प्रति समर्पित नेतृत्व

डॉ. एस. डी. लोखंडे का मानना है कि एक विद्यालय केवल पढ़ाई का केंद्र नहीं होता, बल्कि यह भविष्य के जिम्मेदार नागरिकों को तैयार करने का महत्वपूर्ण मंच भी होता है। उनके नेतृत्व में विद्यालय में अनुशासन, गुणवत्ता और सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण को विशेष महत्व दिया जाता है।

विद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी भी उनके मार्गदर्शन को प्रेरणादायक मानते हैं। वे शिक्षा को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रखते, बल्कि विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना से भी जोड़ने का प्रयास करते हैं।

आधुनिक शिक्षा और तकनीक पर जोर

डॉ. लोखंडे का मानना है कि आज के समय में शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। ऐसे में विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक और नए ज्ञान के साथ जोड़ना बेहद जरूरी है।

उनके अनुसार यदि विद्यालयों में डिजिटल संसाधनों और नवाचार को बढ़ावा दिया जाए, तो विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता और रचनात्मकता दोनों को नई दिशा मिल सकती है।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान

डॉ. लोखंडे हमेशा इस बात पर जोर देते हैं कि शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं होना चाहिए। उनका मानना है कि शिक्षा विद्यार्थियों को आत्मविश्वासी, अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक बनाने का माध्यम है।

इसी सोच के साथ विद्यालय में खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों और रचनात्मक कार्यक्रमों को भी प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि विद्यार्थियों का समग्र विकास हो सके।

प्रेरणादायक व्यक्तित्व

शिक्षा के क्षेत्र में डॉ. एस. डी. लोखंडे का योगदान केवल प्रशासनिक जिम्मेदारियों तक सीमित नहीं है। वे विद्यार्थियों और शिक्षकों दोनों के लिए एक प्रेरणादायक मार्गदर्शक के रूप में देखे जाते हैं।

उनकी सकारात्मक सोच, सरल व्यक्तित्व और शिक्षा के प्रति समर्पण विद्यालय के वातावरण को और अधिक प्रेरणादायक बनाता है।

निष्कर्ष

आज के समय में जब शिक्षा के क्षेत्र में कई नई चुनौतियाँ सामने आ रही हैं, ऐसे में डॉ. एस. डी. लोखंडे जैसे दूरदर्शी और समर्पित शिक्षाविद् का नेतृत्व शिक्षा संस्थानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनके प्रयास न केवल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा तय कर रहे हैं, बल्कि समाज में शिक्षा के महत्व को भी मजबूत बना रहे हैं।

✍️ विशेष विचार: डॉ. एस. डी. लोखंडे, प्राचार्य – जवाहर नवोदय विद्यालय, चतरा

DISCLAIMER:
यह लेख शिक्षा से जुड़े विषयों पर उपलब्ध जानकारी और विचारों के आधार पर तैयार किया गया है। इसमें व्यक्त विचार संबंधित व्यक्तियों के व्यक्तिगत दृष्टिकोण हो सकते हैं। इसका उद्देश्य केवल जानकारी और विश्लेषण प्रस्तुत करना है।

मध्य-पूर्व का बढ़ता तनाव: क्या दुनिया एक नए आर्थिक संकट की ओर बढ़ रही है?

Published: 10 March 2026
Editorial | सुषमा की कलम से

दुनिया आज जिस दौर से गुजर रही है, उसमें अंतरराष्ट्रीय राजनीति के छोटे-से बदलाव का असर भी वैश्विक अर्थव्यवस्था और आम लोगों के जीवन पर पड़ने लगता है। इन दिनों मध्य-पूर्व में बढ़ता तनाव एक बार फिर दुनिया को चिंता में डाल रहा है। विशेष रूप से ईरान, इज़राइल और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच बढ़ती टकराहट ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति को अस्थिर बना दिया है।

यह स्थिति केवल क्षेत्रीय विवाद तक सीमित नहीं है। इसका प्रभाव वैश्विक व्यापार, ऊर्जा बाजार और आर्थिक संतुलन पर भी दिखाई देने लगा है। यही कारण है कि दुनिया भर के आर्थिक और राजनीतिक विशेषज्ञ इस स्थिति को गंभीरता से देख रहे हैं।

तेल बाजार पर बढ़ता दबाव

मध्य-पूर्व दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा क्षेत्रों में से एक माना जाता है। इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार का तनाव सीधे तेल की कीमतों को प्रभावित करता है। हाल के दिनों में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से उछाल देखने को मिला है।

तेल की कीमतों में वृद्धि का असर केवल पेट्रोल और डीज़ल तक सीमित नहीं रहता। इसका प्रभाव परिवहन, उद्योग, कृषि और रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों पर भी पड़ता है। परिणामस्वरूप कई देशों में महंगाई बढ़ने का खतरा पैदा हो सकता है।

हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य की रणनीतिक भूमिका

इस पूरे संकट में सबसे अधिक चर्चा जिस स्थान की हो रही है, वह है हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य। यह समुद्री मार्ग वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है।

दुनिया के बड़े हिस्से का कच्चा तेल इसी मार्ग से होकर गुजरता है। यदि इस क्षेत्र में सैन्य गतिविधियाँ बढ़ती हैं या व्यापारिक जहाजों की आवाजाही प्रभावित होती है, तो इसका असर पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ सकता है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए चेतावनी

पहले से ही कई देश महंगाई, आर्थिक अस्थिरता और व्यापारिक प्रतिस्पर्धा जैसी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। ऐसे में यदि मध्य-पूर्व का यह तनाव लंबे समय तक जारी रहता है, तो यह स्थिति वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक नई चुनौती बन सकती है।

इतिहास बताता है कि जब भी मध्य-पूर्व में संघर्ष बढ़ा है, उसका प्रभाव दुनिया के बाजारों और आर्थिक व्यवस्था पर साफ दिखाई दिया है।

समाधान का रास्ता

युद्ध और संघर्ष कभी भी स्थायी समाधान नहीं होते। इतिहास यह भी सिखाता है कि संवाद और कूटनीति ही किसी भी संकट से बाहर निकलने का सबसे प्रभावी रास्ता होता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय धैर्य और दूरदर्शिता के साथ इस संकट का समाधान खोजे। यदि वैश्विक शक्तियाँ समय रहते शांति और बातचीत का रास्ता अपनाती हैं, तो दुनिया को एक बड़े आर्थिक और मानवीय संकट से बचाया जा सकता है।

निष्कर्ष

मध्य-पूर्व का बढ़ता तनाव केवल एक क्षेत्रीय मुद्दा नहीं है, बल्कि यह पूरी दुनिया के लिए एक चेतावनी भी है।

यदि यह संकट बढ़ता है, तो इसका असर सीमाओं से कहीं अधिक व्यापक होगा। इसलिए आज की सबसे बड़ी आवश्यकता यही है कि संघर्ष की जगह संवाद को प्राथमिकता दी जाए।

क्योंकि अंततः शांति ही वह आधार है जिस पर स्थिर और सुरक्षित विश्व का निर्माण संभव है।

— सुषमा

डिजिटल युग में सोशल मीडिया की जिम्मेदारी: क्या युवाओं को नई दिशा की जरूरत है?

नई दिल्ली | विशेष विचार | 10 मार्च 2026

डिजिटल युग में इंटरनेट और सोशल मीडिया ने समाज में संवाद, विचार और जानकारी के आदान-प्रदान के तरीकों को पूरी तरह बदल दिया है। आज कुछ ही सेकंड में कोई भी जानकारी लाखों लोगों तक पहुँच जाती है। ऐसे समय में यह सवाल भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या हम इन डिजिटल माध्यमों का उपयोग उतनी ही जिम्मेदारी के साथ कर रहे हैं, जितनी इसकी आवश्यकता है
।

सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव

सामाजिक चिंतक डॉ. ए. अंगप्पन @ अरुण का कहना है कि आज सोशल मीडिया केवल संवाद का माध्यम नहीं रहा, बल्कि यह समाज की सोच और दिशा को प्रभावित करने वाला एक शक्तिशाली मंच बन चुका है। उनके अनुसार डिजिटल प्लेटफॉर्म ने लोगों को अपनी बात रखने और विचार व्यक्त करने की अभूतपूर्व स्वतंत्रता दी है।

युवाओं के लिए बड़ा अवसर

डॉ. अंगप्पन का मानना है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म ने युवाओं को समाज के मुद्दों पर अपनी आवाज उठाने का बड़ा अवसर दिया है। आज का युवा सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी राय, विचार और अनुभव लाखों लोगों तक पहुँचा सकता है। यदि इस शक्ति का सकारात्मक उपयोग किया जाए, तो यह सामाजिक जागरूकता और परिवर्तन का मजबूत माध्यम बन सकता है।

गलत जानकारी से सावधान रहने की जरूरत

उन्होंने यह भी कहा कि सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के साथ एक बड़ी चुनौती भी सामने आई है—गलत या भ्रामक जानकारी का तेजी से फैलना। किसी भी जानकारी को बिना जांचे-परखे आगे बढ़ाना समाज में भ्रम और असंतुलन पैदा कर सकता है। इसलिए डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते समय तथ्य और जिम्मेदारी दोनों का ध्यान रखना आवश्यक है।

मनोरंजन से आगे बढ़ने की जरूरत

डॉ. अंगप्पन के अनुसार युवाओं को सोशल मीडिया को केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रखना चाहिए। यदि इसका उपयोग शिक्षा, सामाजिक जागरूकता और सकारात्मक संवाद के लिए किया जाए, तो यह समाज में नई सोच और सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

सकारात्मक डिजिटल वातावरण की आवश्यकता

उनका मानना है कि समाज को ऐसे डिजिटल वातावरण की जरूरत है जहाँ विचारों का आदान-प्रदान स्वस्थ, तथ्यपूर्ण और जिम्मेदार तरीके से हो। जब संवाद सकारात्मक होगा, तभी समाज में वास्तविक परिवर्तन संभव हो सकेगा।

निष्कर्ष

डिजिटल युग में तकनीक जितनी शक्तिशाली है, उतनी ही जिम्मेदारी भी उसके साथ जुड़ी हुई है। यदि सोशल मीडिया का उपयोग सही दिशा में किया जाए, तो यह समाज में जागरूकता, शिक्षा और सकारात्मक बदलाव का प्रभावशाली माध्यम बन सकता है।

✍️ डॉ. ए. अंगप्पन @ अरुण का दृष्टिकोण

रिपोर्ट: सुषमा

Disclaimer:
यह लेख सामाजिक विचार और सार्वजनिक विमर्श के उद्देश्य से प्रकाशित किया गया है। इसमें व्यक्त विचार संबंधित वक्ता के व्यक्तिगत दृष्टिकोण हैं। इस समाचार सामग्री का उद्देश्य केवल जानकारी प्रदान करना है। किसी भी विचार या कथन के लिए संबंधित वक्ता स्वयं जिम्मेदार हैं।